तिलोत्तमा शोम स्टारर 'बक्शो बांडी-शैडोबॉक्स' इंडियन फिल्म फैस्टीवल ऑफ मेलबर्न 2025 का करेगी उद्घाटन

बर्लिन फिल्म फैस्टीवल 2025 में सक्सैसफुल वर्ल्ड प्रीमियर के बाद, तिलोत्तमा शोम और जिम सर्भ द्वारा प्रोड्यूस की गई बंगाली फिल्म 'बक्शो बांडी – शैडोबॉक्स' अब इंडियन फिल्म फैस्टीवल ऑफ मेलबर्न 2025 के उद्घाटन के लिए चुनी गई है। इसके साथ ही यह फिल्म ऑस्ट्रेलिया में ऑफिशियल प्रीमियर करेगी। तनुश्री दास और सौम्यानंद साहा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम 'माया' का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म कोलकाता के एक धूल भरे उपनगर की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें एक कामकाजी महिला के जीवन, उसके प्रेम, उसकी हिम्मत और उसकी चुपचाप लड़ने की ताकत की कहानी को खूबसूरती से दिखाया गया है। फैस्टीवल की ओपनिंग नाइट 14 अगस्त को मेलबर्न में होगी, जिससे भारत की गहराई और इंसानी कहानियों के उत्सव की शुरुआत होगी। तिलोत्तमा शोम ने फिल्म की यात्रा के बारे में कहा कि बक्शो बांडी मेरे दिल के बेहद करीब है। माया का किरदार निभाते हुए मैंने खामोशियों को सुनना सीखा, छोटी–छोटी बातों में ताकत ढूंढना सीखा, और यह समझा कि कैसे एक दुनिया में जहां महिलाओं को अक्सर अनदेखा किया जाता है, वहां चुपचाप लड़ने की हिम्मत उनके जीवन को आकार देती है। बर्लिन के बाद माया की कहानी को मेलबर्न लाना मेरे लिए खास है, क्योंकि मितु से जो ताकत और समावेशिता की भावना मिलती है, वह अद्भुत है। यह फिल्म कामकाजी महिलाओं, बैरकपुर की धूल भरी दोपहरों, और उस साहस को समर्पित है जो तब भी कायम रहता है जब कोई देख नहीं रहा होता। मितु भौमिक लांगे, मेलबर्न इंडियन फिल्म फैस्टीवल की डायरैक्टर ने कहा कि हमारे लिए इंडियन फिल्म फैस्टीवल ऑफ मेलबर्न 2025 की शुरुआत 'बक्शो बॉन्डी – शैडोबॉक्स' जैसी फिल्म से करना सम्मान की बात है। यह फिल्म भारतीय स्वतंत्र सिनेमा की ताकत को दर्शाने के साथ ऐसी कहानियों को छूती है जो व्यक्तिगत भी हैं और ग्लोबल लेवल पर जुड़ती भी हैं। माया के रूप में तिलोत्तमा का अभिनय बेमिसाल है और तनुश्री और सौम्यानंद ने बेहद ईमानदारी और खूबसूरती से एक ऐसी फिल्म बनाई है, जो उम्मीद और जिजीविषा की भावना को दिखाती है।